सत्रीय कार्य-3

(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : डी.ई.सी.ई.-3

सत्रीय कार्य कोड : डी.ई.सी.ई.-3/सत्रीय कार्य-3/टीएमए-3/2025

जनवरी 2025 सत्र के लिए जमा कराने की अंतिम तिथि : 30 सितंम्बर, 2025

जुलाई 2025 सत्र के लिए जमा कराने की अंतिम तिथि : 31 मार्च, 2026

(कुल अंक = 100)

भाग (क), (ख) और (ग) तीनों अनिवार्य हैं।

भाग (क)

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(60 अंक)**

1. विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चे किन्हें कहते हैं, उदाहरण देते हुए स्पष्ट करें। (700 शब्द, 8 अंक)

2. निम्नलिखित प्रत्येक का 400 शब्दो में वर्णन कीजिए।

   (क) संचार के रूप में भूमिका अभिनय

   (ख) प्रतिकूल अभिवृत्ति वाले माता–पिता

   (ग) भारत में शालापूर्व शिक्षा में ताराबाई मोदक का योगदान

   (घ) संचार के अवयव (3x5=15 अंक)

3. शालापूर्व अध्यापिका/देखभलकर्त्ता निम्नलिखित से कैसे निपट सकती है ?

   क) विन्विर्तित व्यवहार वाला बालक

   ख) डर व दुर्मीति से ग्रस्त बच्चा (प्रत्येक 400 शब्दों मे, 5+5= 10 अंक)

4. समुदाय आधारित पुनः स्थापन की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए। (600 शब्दः 6 अंक)

5. किन्हीं तीन सिद्धातों का वर्णण करें जो मानसिक मंदता से ग्रस्त बच्चों के साथ कार्य करते हुए प्रारंभिक देखभाल कायकर्ता को ध्यान में रखने चाहिए। (600 शब्दः 6 अंक)

6. निम्नलिखित में से प्रत्येक को 500 शब्दों में स्पष्ट करें:

   क) प्रभावी पर्यवेक्षक की तीन विशेषताएँ

   ख) फ्रोबेल के शैक्षिक दर्शन की बुनियादी अवधरणाएँ (3x5=15 अंक)

   ग) मोबाइल क्रेश कार्यकम की दो अद्वितीय विशेषताएँ

भाग (ख) (20 अंक)

इस भाग में आपको इस पाठ्यक्रम, अर्थात् डीईसीई-3 की प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में दिए गए अभ्यास संख्या 1, 2, 9 या 10 में से कोई एक अभ्यास करना है।

तथापि इन चारों अभ्यासों को करना आपके लिए उपयोगी होगा। इसके पश्चात् आपको जो अभ्यास सबसे अच्छा लगे, उसे इस सत्रीय कार्य के उत्तरों के साथ संलग्न कर, मूल्यांकन के लिए परामर्षदाता को भेजें।

इन अभ्यासों के ब्यौरे प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में वर्णित हैं। प्रत्येक अभ्यास के लिए निर्धारित मार्गदर्षी निर्देषों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उसी के अनुसार अभ्यास करें। प्रत्येक अभ्यास के विभिन्न घटकों के लिए निर्धारित अंक नियमावली में ही दिए गए हैं।

भाग (ग) (20 अंक)

इस भाग में आपको इस पाठ्यक्रम, अर्थात् डीईसीई-3 की प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में दिए गए अभ्यास संख्या 6, 7 या 8 में से कोई एक अभ्यास करना है।

तथापि इन तीनों अभ्यासों को करना आपके लिए उपयोगी होगा। इसके पष्चात् आपको जो अभ्यास सबसे अच्छा लगे, उसे इस सत्रीय कार्य के उत्तरों के साथ संलग्न कर, मूल्यांकन के लिए परामर्शदाता को भेजें।

इन अभ्यासों के ब्यौरे प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में वर्णित हैं। प्रत्येक अभ्यास के लिए निर्धारित मार्गदर्षी निर्देषों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उसी के अनुसार अभ्यास करें। प्रत्येक अभ्यास के विभिन्न घटकों के लिए निर्धारित अंक नियमावली में ही दिए गए हैं।